>

Title: Shortage of Urea, DAP and NKP fertilizers in Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): सभापति महोदय, मैं सरकार का ध्यान एक अति महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं। मध्य प्रदेश देश का एक बड़ा कृषि उत्पादक राज्य है। खरीफ की फसल के समय राज्य सरकार ने रासायनिक खाद की मांग केन्द्र से की थी और उसका 40 प्रतिशत से भी कम हिस्सा हमें दिया गया। इस साल मध्य प्रदेश में बारिश भी काफी अच्छी हुई है और रबी की फसल बोने का रकबा भी बढ़ेगा। राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार से यूरिया, डीएपी और एनकेपी खाद की पर्याप्त मात्रा में मांग की है। हमारे मुख्य मंत्री श्री शिवराज सिंह जी ने मंत्री जी से मुलाकात की थी और हमने भी मुलाकात की थी। मंत्री जी ने हमें आश्वस्त किया था कि वह प्रदेश को पर्याप्त मात्रा में खाद की आपूर्ति करेंगे। लेकिन उसमें हमें सफलता नहीं मिली है। केन्द्र सरकार लगातार कह रही है कि मध्य प्रदेश खाद का आयात करे। मध्य प्रदेश भारत के मध्य में स्थित है और वहां आसपास कोई बंदरगाह नहीं है। जब हम खाद का आयात करेंगे तो वह इतनी महंगी कीमत पर मिलेगी कि हम किसानों को सस्ते दर पर नहीं दे पाएंगे। वैसे ही किसान परेशान हैं, क्योंकि वैसे भी खादों के दाम काफी बढ़े हुए हैं। जो राज्य कृषि कार्यों में अच्छा काम कर रहा है, स्वयं मंत्री जी भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि मध्य प्रदेश कृषि उत्पादक राज्य है। पिछले दिनों वहां उत्पादन भी बढ़ा है और खाद की वहां खपत भी काफी हुई है। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि मध्य प्रदेश को पर्याप्त मात्रा में खाद की आपूर्ति की जाए, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि की जा सके ।

MR. CHAIRMAN : You can send your slips.

Shri Rakesh Singh, Shri Gobind Prasad Mishra, Shri Ravindra Kumar Pandey and Shri Arjun Ram Meghwal are also allowed to associate with the matter raised by Shri Ganesh Singh.